D.Ed

F4, Unit - 2 (c)

* समावेशी शिक्षा का इतिहास

समावेशी शिक्षा के सिद्धांत की जड़ें कनाडा और अमेरिका से जुड़ी हैं 1994 में सलमांका (स्पेन) में युनेस्को के द्वारा विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं पर एक विश्व सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें सभी बालकों को एक समान शिक्षा सुलभ कराने का निर्णय लिया गया।

इस सम्मेलन में 92 देशों की सरकार एवं 25 अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने शिक्षा को एक मौलिक अधिकार मानने का प्रस्ताव पारित किया। प्रत्येक बालक की अभिरुचि, योग्यता, आवश्यकता एवं सीखने की क्षमता अलग - अलग होती है इस उद्घोषणा के साथ सलमांका सम्मेलन का समापन किया गया।

भारत सरकार ने 1994 में ही सलमांका वक्तव्य पर हस्ताक्षर कर अपने देश में भी समावेशी शिक्षा लागू करने का निर्णय लिया। इसके बाद मानव संसाधन मंत्रालय ने 2005 में 14 से 18 वर्ष के निःशक्त बालकों एवं युवाओं के लिए समावेशी शिक्षा योजना का निर्माण किया।

Scanned with CamScanner